चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	27.8.22	2	1-3

• उद्यमिता प्रोत्साहन सहायता सामग्री वितरण समारोह आयोजित

एचएयू युवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए उद्यमिता विकास करेगा : वीसी

सिटी रिपोर्टर • देश को कृषि उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में महत्ती योगदान देने वाला चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भारतवासियों को स्वावलंबी बनाने में आगे बढ़ेगा। युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण देकर उनमें उद्यमिता विकास का कार्य किया जाएगा और स्वरोजगार स्थापित करने में उनकी सहायता की जाएगी। यह बात विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने कही। वे विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा स्वावलंबी भारत अभियान के तहत आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन सहायता सामग्री वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। वाइस चांसलर ने कहा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का देश में हरित, पीत, श्वेत व नीली क्रान्तियां लाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है जिनके परिणामस्वरूप देश ने खाद्यान्नों, फल-सब्जी, दूध व मछली उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल की है। उन्होंने कहा कृषि भारत में रोजगार का महत्वपूर्ण क्षेत्र है।

पुनः सोने की चिड़िया बनने की क्षमता

स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय संगठक कश्मीरी लाल ने बतौर मुख्य वक्ता कहा कि भारत प्राचीन समय से सोने की चिड़िया के नाम से प्रसिद्ध था। आज भी हमारे देश में सोने की चिड़िया बनने की क्षमता है लेकिन सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी।

बेरोजगारी की समस्या से निपटने पर बल दिया

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक एवं स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संयोजक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने भी बेरोजगारी की समस्या से निपटने के लिए युवाओं में उद्यमिता विकास पर बल दिया। सहायक निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर पुस्तक का विमोचन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	27.8.22	8	5-8

हकृवि युवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए उनमें उद्यमिता विकास करेगा : प्रो. काम्बोज

हिसार, 26 अगस्त (विरेंद्र वर्मा) : देश को कृषि उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में महती योगदान देने वाला चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भारतवासियों को स्वावलंबी बनाने में आगे बढ़ेगा। युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण देकर उनमें उद्यमिता विकास का कार्य किया जाएगा और स्वरोजगार स्थापित करने में उनकी सहायता भी की जाएगी। यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा स्वावलंबी भारत अभियान के तहत आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन सहायता सामग्री वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कुलपति प्रो.बी.आर काम्बोज, कश्मीरी लाल व अन्य।

कुलपति ने कहा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का देश में हरित, पीत, श्वेत व नीली क्रान्तियां लाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है जिनके परिणामस्वरूप देश ने खाद्यान्नों, फल-सब्जी, दूध व मछली उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल की है। उन्होंने कहा कृषि भारत में रोजगार का महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसमें इतनी क्षमता है कि युवा लघु व कुटीर उद्योग स्थापित करके न केवल आजीविका कमा सकते हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं, जो आज के समय की मांग है। उन्होंने कहा हालांकि यह विश्वविद्यालय किसानों व कृषक महिलाओं को कृषि व पशुपालन संबंधी प्रशिक्षण देने के साथ शहरी व ग्रामीण युवाओं को भी स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण प्रदान करता आ रहा है लेकिन अब इन प्रशिक्षणों की अवधि व संख्या को बढ़ाया जाएगा ताकि युवा स्वरोजगार/उद्यम के लिए ज्यादा सक्षम बन सकें।

देश में पुनः सोने की चिड़िया बनने की क्षमता : कश्मीरी लाल

स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय संगठक कश्मीरी लाल, जो इस अवसर पर मुख्य वक्ता थे, ने कहा कि भारत प्राचीन समय से सोने की चिड़िया के नाम से प्रसिद्ध था। आज भी हमारे देश में सोने की चिड़िया बनने की क्षमता है लेकिन इसके लिए हम सभी को अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी। प्रत्येक नागरिक को स्वावलंबी बनाना होगा। उन्होंने कहा भारत एक कृषि प्रधान देश है। कृषि से अधिक लाभ लेने के लिए किसानों को फूड प्रोसैसिंग और जैविक व प्राकृतिक कृषि की ओर बढ़ना होगा।

बेरोजगारी से निपटने के लिए युवाओं में उद्यमिता विकास जरूरी : डॉ. अंकेश्वर प्रकाश

इससे पूर्व कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक एवं स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संयोजक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने भी बेरोजगारी की समस्या से निपटने के लिए युवाओं में उद्यमिता विकास पर बल दिया। इस अवसर पर उपरोक्त संस्थान के सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने समारोह के उद्देश्य पर प्रकाश डाला और कहा कि संस्थान प्रशिक्षणों के माध्यम से बेरोजगार युवाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के कार्य में जुटा है। कार्यक्रम के अंत में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुरेन्द्र कुमार पाहुजा ने प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। सहायक निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने मंच का संचालन किया।

इस अवसर पर उपरोक्त संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 30 बेरोजगार युवकों व नवयुवतियों को स्वरोजगार शुरू करने के लिए सरकार द्वारा प्रदत्त सहायता सामग्री व प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के एग्रो बिजनेस इंक्यूबेशन सैंटर द्वारा प्रकाशित पुस्तक का विमोचन किया गया। इस मौके पर स्वरोजगार शुरू कर चुके प्रशिक्षणार्थियों द्वारा अपने उत्पादों की लगाई गई प्रदर्शनी आगंतुकों के आकर्षण का केन्द्र बनी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	27.8.22	10	6.8

हकृवि युवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए उनमें उद्यमिता विकास करेगा

हरितभूमि ब्यूज ▶▶ हिसार

देश को कृषि उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में महती योगदान देने वाला हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भारतवासियों को स्वावलंबी बनाने में आगे बढ़ेगा। युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण देकर उनमें उद्यमिता विकास का कार्य किया जाएगा और स्वरोजगार स्थापित करने में उनकी सहायता भी की जाएगी। यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा स्वावलंबी भारत अभियान के तहत आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन सहायता सामग्री वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कुलपति ने कहा कि हकृवि का देश में हरित, पीत, श्वेत व नीली क्रान्तियां लाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है जिनके परिणामस्वरूप देश ने खाद्यान्नों, फल-सब्जी, दूध व मछली उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल की है। उन्होंने कहा कृषि भारत में रोजगार का महत्वपूर्ण क्षेत्र है। युवा लघु व कुटीर उद्योग स्थापित करके न केवल आजीविका कमा सकते हैं।

हिसार। प्रशिक्षणार्थियों को सहायता सामग्री वितरित करते हुए कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज व अन्य।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	27.8.22	4	4-5

स्वावलंबी बनाने के लिए उद्यमिता का करेंगे विकास

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) युवाओं को स्वावलंबी बनाने में दिशा में काम करेगा। युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण देकर उनमें उद्यमिता का विकास किया जाएगा। स्वरोजगार स्थापित करने में उनकी सहायता भी की जाएगी। यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कही।

वे विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन सहायता सामग्री वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षणों की अवधि व संख्या को बढ़ाया जाएगा ताकि युवा स्वरोजगार/उद्यम के लिए ज्यादा सक्षम बन सकें। मुख्य वक्ता स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय संगठक कश्मीरी लाल ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को स्वावलंबी बनाना होगा। किसानों को फूड प्रोसेसिंग, जैविक व प्राकृतिक कृषि की ओर बढ़ना होगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 30 युवाओं को सहायता सामग्री व प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। संवाद

एचएयू में प्रशिक्षणार्थियों को सहायता सामग्री वितरित करते हुए कुलपति प्रो.बी.आर काम्बोज व अन्य। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	27.8.22	2	6-8

युवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए उनमें उद्यमिता विकास करेगा एचएयू : कुलपति प्रो. काम्बोज

साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से कार्यक्रम का किया गया आयोजन

जागरण संवाददाता, हिसार: देश को कृषि उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में महती योगदान देने वाला चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय देश को स्वावलंबी बनाने में आगे बढ़ेगा। युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण देकर उनमें उद्यमिता विकास का कार्य किया जाएगा।

स्वरोजगार स्थापित करने में उनकी सहायता भी की जाएगी। यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कही। वे विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा स्वावलंबी भारत अभियान के तहत आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन सहायता सामग्री वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 30 बेरोजगार युवकों व नवयुवतियों को स्वरोजगार शुरू करने के लिए सरकार द्वारा प्रदत स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय संगठक मुख्य वक्ता कश्मीरी लाल ने कहा कि भारत प्राचीन समय से सोने की चिड़िया के नाम से प्रसिद्ध था। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बेरोजगारी से निपटने के लिए युवाओं में उद्यमिता विकास जरूरी इससे पूर्व कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक एवं स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संयोजक डा. अंकेश्वर प्रकाश ने भी बेरोजगारी की समस्या से निपटने के लिए युवाओं में उद्यमिता विकास पर बल दिया। इस अवसर पर उपरोक्त संस्थान के सह निदेशक डा. अशोक कुमार गोदारा ने समारोह के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हिसार	27.8.2022	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय युवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए उनमें उद्यमिता विकास करेगा:प्रो. बी.आर. काम्बोज

कहा, कृषि भारत में रोजगार का महत्वपूर्ण क्षेत्र है

हिसार : देश को कृषि उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में महत्ती योगदान देने वाला चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भारतवासियों को स्वावलंबी बनाने में आगे बढ़ेगा। युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण देकर उनमें उद्यमिता विकास का कार्य किया जाएगा और

स्वरोजगार स्थापित करने में उनकी सहायता भी की जाएगी। यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा स्वावलंबी भारत अभियान के तहत आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन सहायता सामग्री वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कुलपति ने कहा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का देश में हरित, पीत, श्वेत व नीली क्रान्तियां लाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है जिनके परिणामस्वरूप देश ने खाद्यान्नों, फल-सब्जी, दूध व मछली उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल की है। उन्होंने कहा कृषि भारत में रोजगार का महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसमें इतनी क्षमता है कि युवा लघु व कुटीर उद्योग स्थापित करके न केवल आजीविका कमा सकते हैं बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं, जो आज के समय की मांग है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज	26.8.2022	--	--

युवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए उद्यमिता विकास करेगा: कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

प्रवीन कुमार

हिसार। देश को कृषि उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में खासी योगदान देने वाला चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रदेशवासियों को स्वावलंबी बनाने में आगे आईगा। युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण देकर उनमें उद्यमिता विकास का कार्य किया जाएगा व स्वरोजगार स्थापित करने में उनकी सहायता भी की जाएगी। यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा स्वावलंबी भारत अभियान के तहत आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन सहायता सामग्री वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

कुलपति ने कहा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का देश में हरित, पीत, श्वेत व नीली क्रांतियां लाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है जिसके परिणामस्वरूप देश ने खाद्यान्नों, फल-सब्जी, दूध व मछली उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल की है। उन्होंने कहा कृषि भारत में रोजगार का महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसमें इतनी क्षमता है कि युवा लघु व कुटीर उद्योग स्थापित करके न केवल आजीविका प्राप्त कर सकते हैं बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं, जो आज के समय की मांग है। उन्होंने कहा हालांकि

प्रशिक्षणार्थियों को सहायता सामग्री वितरित करते हुए कुलपति प्रो.बी.आर काम्बोज व अन्य

प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कुलपति प्रो.बी.आर काम्बोज, श्री कश्मीरी लाल व अन्य

यह विश्वविद्यालय किसानों व कृषक महिलाओं को कृषि व पशुपालन संबंधी प्रशिक्षण देने के साथ शहरी व ग्रामीण युवाओं को भी स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण प्रदान करता आ रहा है लेकिन अब इन प्रशिक्षणों की अवधि व संख्या को बढ़ाया जाएगा ताकि युवा स्वरोजगार/उद्यम के लिए ज्यादा सक्षम बन सकें। उन्होंने शिक्षक वर्ग से आह्वान किया कि वह समय की मांग को देखते हुए विचार करें कि विद्यार्थी किस प्रकार स्वरोजगार के द्वारा स्वावलंबी बन सकते हैं। इसके साथ उन्होंने सहायता सामग्री प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को सफल उद्यमी बनने के लिए अपने व्यवसाय में नवीनता, विश्वसनीयता, निपुणता लाने को कहा। इस अवसर पर उपरोक्त संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 30 बेरोजगार युवकों व नवयुवतियों को स्वरोजगार शुरू करने के लिए, सरकार द्वारा प्रदत्त सहायता सामग्री व प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सैंटर द्वारा प्रकाशित पुस्तक का विमोचन किया गया। इस मौके पर स्वरोजगार शुरू कर चुके प्रशिक्षणार्थियों द्वारा अपने उत्पादों की लगाई गई प्रदर्शनी आगंतुकों के आकर्षण का केन्द्र बनी।

देश में पुन: सोने की चिड़िया बनने की क्षमता: कश्मीरी लाल

स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय संगठक श्री कश्मीरी लाल, जो इस अवसर पर मुख्य वक्ता थे, ने कहा कि भारत प्राचीन समय में सोने की चिड़िया के नाम से प्रसिद्ध था। आज भी हमारे देश में सोने की चिड़िया बनने की क्षमता है लेकिन इसके लिए हम सभी को अपनी सकारात्मक भूमिका सुनिश्चित करनी होगी। प्रत्येक नागरिक को स्वावलंबी बनना होगा। उन्होंने कहा भारत एक कृषि प्रधान देश है। कृषि से अधिक लाभ लेने के लिए किसानों को फूड प्रोसेसिंग और जैविक व प्राकृतिक कृषि की ओर बढ़ना होगा। किसानों को सफलता के लिए अपने उत्पादों की गुणवत्ता, लोगों के बीच विश्वसनीयता बनाने और अपने उत्पादों की ब्रांडिंग करनी होगी। उनका यह प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा और कहा कि वे भी उद्यमिता विकसित करके दूसरों को रोजगार देने में सक्षम बनेंगे जिससे देश में बेरोजगारी की समस्या खत्म होगी।

बेरोजगारी से निपटने के लिए युवाओं में उद्यमिता विकास जरूरी: डॉ. अंकेश्वर प्रकाश

इससे पूर्व कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक एवं स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संयोजक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने भी बेरोजगारी की समस्या से निपटने के लिए युवाओं में उद्यमिता विकास पर बल दिया। इस अवसर पर उपरोक्त संस्थान के सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने समारोह के उद्देश्य पर प्रकाश डाला और कहा कि संस्थान प्रशिक्षणों के माध्यम से बेरोजगार युवाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के कार्य में जुटा है। कार्यक्रम के अंत में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुरेन्द्र कुमार पाहुजा ने प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	26.8.2022	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय युवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए उनमें उद्यमिता विकास करेगा : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। (अभिनव शर्मा) देश को कृषि उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में महती योगदान देने वाला चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भारतवासियों को स्वावलंबी बनाने में आगे बढ़ेगा। युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण देकर उनमें उद्यमिता विकास का कार्य किया जाएगा और स्वरोजगार स्थापित करने में उनकी सहायता भी की जाएगी। यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा स्वावलंबी भारत अभियान के तहत आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन सहायता सामग्री वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कुलपति ने कहा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का देश में हरित, पीत, श्वेत व नीली क्रांतियां लाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है जिसके परिणामस्वरूप देश ने खाद्यान्नों, फल-सब्जी, दूध व मछली उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल की है। उन्होंने कहा कृषि भारत में रोजगार का महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसमें इतनी क्षमता है कि युवा लघु व कुटीर उद्योग स्थापित करके न केवल आजीविका कमा सकते हैं बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं, जो आज के समय की मांग है। उन्होंने कहा हालांकि यह विश्वविद्यालय किसानों व कृषक महिलाओं को कृषि व पशुपालन संबंधी प्रशिक्षण देने के साथ शहरी व ग्रामीण युवाओं को भी स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण प्रदान करता आ रहा है लेकिन अब इन प्रशिक्षणों की अवधि व संख्या को बढ़ाया जाएगा ताकि युवा स्वरोजगार/उद्यम के लिए ज्यादा सक्षम बन सकें। उन्होंने शिक्षक वर्ग से आह्वान किया कि वह समय की मांग को देखते हुए विचार करें कि विद्यार्थी किस प्रकार स्वरोजगार के द्वारा स्वावलंबी बन सकते हैं। इसके साथ उन्होंने सहायता सामग्री प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को सफल उद्यमी बनने के लिए अपने व्यवसाय में नवीनता, विश्वसनीयता, निपुणता लाने को कहा।

देश में पुनः सोने की चिड़िया बनने की क्षमता : कश्मीरी लाल

स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय संगठक श्री कश्मीरी लाल, जो इस अवसर पर मुख्य वक्ता थे, ने कहा कि भारत प्राचीन समय में सोने की चिड़िया के नाम से प्रसिद्ध था। आज भी हमारे देश में सोने की चिड़िया बनने की क्षमता है लेकिन इसके लिए हम सभी को अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी। प्रत्येक नागरिक को स्वावलंबी बनाना होगा। उन्होंने कहा भारत एक कृषि प्रधान देश है। कृषि से अधिक लाभ लेने के लिए किसानों को फूड प्रोसैसिंग और जैविक व प्राकृतिक कृषि की ओर बढ़ना होगा। किसानों को सफलता के लिए अपने उत्पादों की गुणवत्ता, लोगों के बीच विश्वसनीयता बनाने और अपने उत्पादों की ब्रान्डिंग करनी होगी। उनका यह प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा। उन्होंने जमीन से उठकर सफल उद्यमी बने कई व्यक्तियों का उदाहरण देकर लोगों को स्वावलंबी बनने की प्रेरणा दी और कहा कि वे भी उद्यमिता विकसित करके दूसरों को रोजगार देने में सक्षम बनेंगे जिससे देश में बेरोजगारी की समस्या खत्म होगी।

बेरोजगारी से निपटने के लिए युवाओं में उद्यमिता विकास जरूरी : डॉ. ओंकार प्रकाश

इससे पूर्व कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक एवं स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संयोजक डॉ. ओंकार प्रकाश ने भी बेरोजगारी की समस्या से निपटने के लिए युवाओं में उद्यमिता विकास पर बल दिया। इस अवसर पर उपरोक्त संस्थान के सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने समारोह के उद्देश्य पर प्रकाश डाला और कहा कि संस्थान प्रशिक्षणों के माध्यम से बेरोजगार युवाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के कार्य में जुटा है। कार्यक्रम के अंत में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुरेन्द्र कुमार पाहुजा ने प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। सहायक निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने मंच का संचालन किया।

इस अवसर पर उपरोक्त संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 30 बेरोजगार युवकों व नवयुवतियों को स्वरोजगार शुरू करने के लिए सरकार द्वारा प्रदत्त सहायता सामग्री व प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सैंटर द्वारा प्रकाशित पुस्तक का विमोचन किया गया। इस मौके पर स्वरोजगार शुरू कर चुके प्रशिक्षणार्थियों द्वारा अपने उत्पादों की लगाई गई प्रदर्शनी आगंतुकों के आकर्षण का केन्द्र बनी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	26.8.2022	--	--

हकृवि अब युवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण देगा : कुलपति

हिसार/ 26 अगस्त/ रिपोर्टर

देश को कृषि उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में महती योगदान देने वाला चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अब युवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण देकर उनमें उद्यमिता विकास का कार्य करेगा तथा स्वरोजगार स्थापित करने में उनकी सहायता भी की जाएगी। यह बात कुलपति प्रो.बीआर काम्बोज ने सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा स्वावलंबी भारत

अभियान के तहत आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन सहायता सामग्री वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि कही। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय का देश में हरित, पीत, श्वेत व नीली क्रान्तियां लाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है जिनके परिणामस्वरूप देश ने खाद्यान्नों, फल, सब्जी, दूध व मछली उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल की है। उन्होंने कहा कृषि भारत में रोजगार का महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसमें इतनी क्षमता है कि युवा लघु व कुटीर उद्योग स्थापित करके न केवल आजीविका कमा सकते हैं बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं, जो आज के समय की मांग है। उन्होंने कहा हलांकि यह विश्वविद्यालय किसानों व कृषक महिलाओं को कृषि व पशुपालन संबंधी प्रशिक्षण देने के साथ शहरी व ग्रामीण युवाओं को भी स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण प्रदान करता आ रहा है लेकिन अब इन प्रशिक्षणों की अवधि व संख्या को बढ़ाया जाएगा ताकि युवा स्वरोजगार उद्यम के लिए ज्यादा सक्षम बन सकें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	27.8.2022	--	--

दैनिक पाठकपक्ष, हिसार, शनिवार, 27 अगस्त, 2022

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय युवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए उनमें उद्यमिता विकास करेगा: कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज